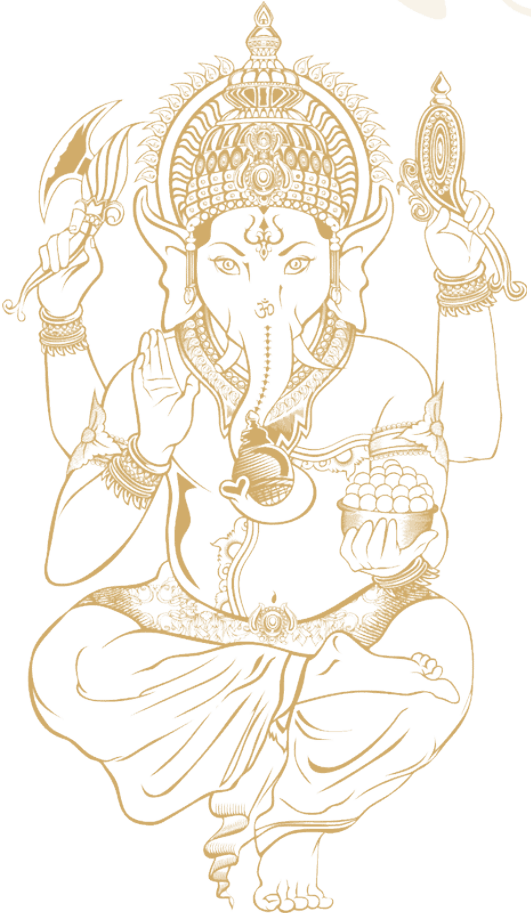

A

B

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/03/1995	जन्म तिथि	10/04/1997
बुध-गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 02:55:00	जन्म समय	18:15:00 घंटे
घटी 50:44:20	जन्म समय(घटी)	30:16:16 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Bhilwara
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	25:23:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	74:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:31:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:16	सूर्योदय	06:14:11
18:35:28	सूर्यास्त	18:51:44
23:47:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:07

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 15वर्ष 10मा 22दि		22:47:35	धनु	लग्न	कन्या	19:26:12	**सूर्य 1वर्ष 1मा 18दि**	
चन्द्र		01:02:05	मीन	सूर्य	मीन	26:52:12	**राहु**	
04/02/2017		16:04:14	सिंह	चंद्र	वृष	07:28:54	**29/05/2015**	
05/02/2027		19:51:39	कर्क व	मंगल व	सिंह	24:50:23	**29/05/2033**	
चन्द्र	06/12/2017	07:37:55	कुंभ	बुध	मेष	14:46:01	राहु	09/02/2018
मंगल	07/07/2018	21:09:39	वृश्चि	गुरु	मक	22:48:57	गुरु	04/07/2020
राहु	06/01/2020	21:31:00	मक	शुक्र	मीन	28:54:33	शनि	11/05/2023
गुरु	07/05/2021	22:25:21	कुंभ	शनि	मीन	17:45:25	बुध	28/11/2025
शनि	06/12/2022	12:26:34	तुला व	राहु व	कन्या	04:46:08	केतु	16/12/2026
बुध	06/05/2024	12:26:34	मेष व	केतु व	मीन	04:46:08	शुक्र	16/12/2029
केतु	06/12/2024	05:38:52	मक	हर्ष	मक	14:25:00	सूर्य	10/11/2030
शुक्र	06/08/2026	01:15:20	मक	नेप	मक	06:00:47	चन्द्र	10/05/2032
सूर्य	05/02/2027	06:46:19	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:29:14	मंगल	29/05/2033

लग्न-चलित

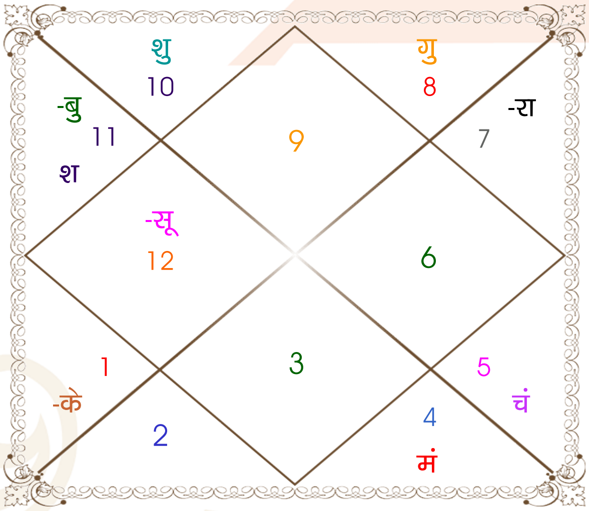

लग्न-चलित

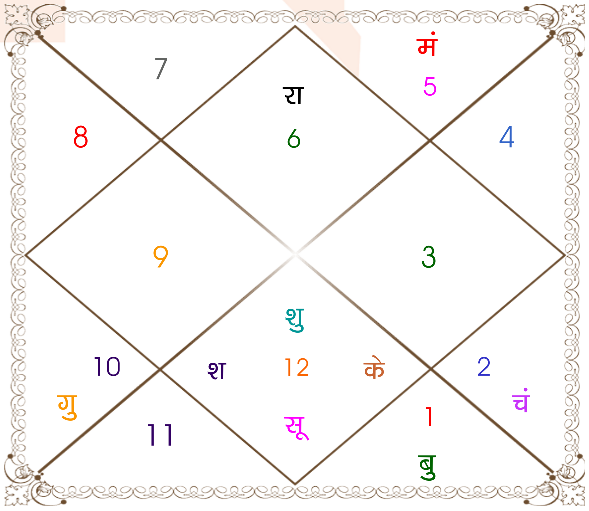

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

A का वर्ग मूषक है तथा B का वर्ग गरूड़ हैA इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु A कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान Bीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।